प्रो० विनय कुमार पाठक
कुलपति
Prof. Vinay Kumar Pathak
Vice-Chancellor

डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय
उत्तर प्रदेश, लखनऊ
Dr. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY
Uttar Pradesh, Lucknow

पत्रांकः– अ0क0प्र0वि0 / कुप0का0 / 2021 / 11839

दिनांक 30.04.2021

सेवा में,

निदेशक/प्राचार्य,
विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त संस्थान

विषयः मानवीय आधार पर चिकित्सालयों को सहायता उपलब्ध कराये जाने के संबंध में ।

महोदय,

वर्तमान मे हमारा देश कोविड महामारी से लड़ रहा है | ऐसे मे हम सभी को अपने सम्पूर्ण प्रयास करते हुए देश एवं प्रदेश को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए जिससे इस महामारी से लड़ने मे सहायता प्राप्त हो सके | महामारी के इस दूसरे दौर मे अस्पतालो मे ऑक्सीज़न की खपत बढ़ गयी है | मरीजों को तात्कालिक आधार पर ऑक्सीज़न उपलब्ध कराना प्राथमिक आवश्यकता हो गयी है | हमे इस प्रकार के प्रयास करने होंगे कि अस्पतालों/चिकित्सकों को इलाज उपलब्ध कराने मे सहूलियत हो सके |

आपका संस्थान अभियांत्रिकी/फार्मसी पाठ्यक्रम संचालित कर रहा अग्रणी संस्थान है | संस्थान की रसायन बिज्ञान प्रयोगशाला/वर्कशॉप मे इस प्रकार के उपकरण उपलब्ध हैं जो ऑक्सीज़न उत्पादन मे सहायक हो सकते हैं तथा ऑक्सिजन सिलेंडर भी उपलब्ध हैं | मै आपसे अपील करता हूँ कि इन ऑक्सीज़न सिलेंडर को संस्थान के समीपवर्ती जिला अस्पतालो/जिलाधिकारी/शासकीय अधिकारियों अथवा ऐसे व्यक्तियों को जिन्हे ऑक्सीज़न की तात्कालिक आवश्यकता हो उन्हे उपलब्ध करायें | प्रयोगशाला मे मौजूद खाली ऑक्सीज़न सिलेंडरों को संबन्धित जिलाधिकारियों को बिना किसी भुगतान के उपलब्ध करायें | यह भी उचित होगा कि Oxygen Concentrator की उपलब्धता संस्थान द्वारा कोविड केयर सेंटरो को कराई जाए |

उपरोक्तानुसार आपके द्वारा संपादित की गयी प्रत्येक गतिविधि को नीचे दिये गए ईमेल पर विश्वविद्यालय को सूचित भी करें –

ashish.mishra@aktu.ac.in

जिससे की आपके द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर प्रदर्शित किया जा सके | आपके इस सहयोग के लिए उचित समय पर विश्वविद्यालय द्वारा संस्थान का अभिनंदन किया जाएगा |

आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त विवरण एवं सूचनाये संस्थान के सभी शिक्षकों/विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये, जिससे कि देश को इस महामारी से लड़ने मे सहायता प्राप्त हो सके | आइये हम सभी कोविड महामारी से लड़ने मे एक साथ कदम मिला कर चलें एवं अपनी सहायता भी उपलब्ध कराये |

भवदीय,

(प्रो० विनय कुमार पाठक)
कुलपति